जंतु गीत

मानव को सुख से है रहना
तू जानले जंतु की महिमा
गरमी से लेकर परमा
गोनोरिया ट्रिपानोमा क्लायमेडिया
"एड्स" इन इंडिया, "एड्स".....(३) ।।१।।

दानव एड्स से है डरना
निरोधसे दोस्ती करना
या एक पतीव्रत रहना
समसमागम को त्यजना
ट्रायकोमोनास, फायलेरिया, मलेरिया
"एड्स" इन इंडिया, "एड्स".....(३) ।।2।।

जंतू सागर है तरना
सफाई ढाल तू धरना
बाजार में तू ना चरना
पानी भी छानकर पीना
अच्छा है क्या, क्या है बुरा हो ना पता
"एड्स" इन इंडिया, "एड्स".....(३) ।।३।।

कर्करोग से हे तुम्हे बचना
निषेध तमाखू करना
मदिरा मुँह मे ना धरना
दिनेश का है ये कहना
फिर देखना तन है तेरा कितना भला
"एड्स" इन इंडिया, "एड्स".....(३) ।।४।।

– दिनेश उत्तरवार